मूल्य – 5 रुपये

ज्योतिर्मय जीवन

तारांशु

मासिक

अगस्त, 2013

वर्ष 2, अंक 1, पृ.सं. 20   संपादक :- कल्पना गोयल

आनन्द वृद्धाश्रम आवासी नौका विहार का आनन्द लेते हुए....

- आशीर्वाद -

डॉ. कैलाश 'मानव'
संस्थापक एवं प्रबन्ध न्यासी,
नारायण सेवा संस्थान (ट्रस्ट), उदयपुर

- आभार -

श्री एन.पी. भार्गव
मुख्य संरक्षक, तारा संस्थान,
उद्योगपति एवं समाज सेवी, दिल्ली

श्री सत्यभूषण जैन
संरक्षक,
प्रमुख समाज सेवी, दिल्ली

श्रीमती शमा - श्री रमेश सचदेवा
संरक्षक,
उद्योगपति एवं समाज सेवी, दिल्ली

कोई खुशनुमा – चरित्रवान् व्यक्तित्व (Personality) कैसा होता है?

- उसमें अहंकाररहित दृढ़ता और आत्मविश्वास होता है।
- वह दूसरों का ध्यान रखता है।
- वह बहाने नहीं बनाता।
- वह जानता है कि शिष्टाचार, और सलीके से पेश आने के लिए छोटी–छोटी कुर्बानियाँ देनी पड़ती है।
- वह अपनी पिछली ग़लतियों से सीखता है।
- वह पैसे, या ऊँचे ख़ानदान की देन नहीं होता।
- उसमें ऊँचे लोगों की सोहबत में रहने की क़ाबिलीयत तो होती ही है, साथ ही आम आदमी वाला अंदाज भी होता है।
- उसके शब्दों में मीठास, नज़र में हमदर्दी, और मुस्कान में शराफ़त होती है।
- उसमें अत्याचार के विरोध में खड़ा हो सकने वाला स्वाभिमान होता है।
- वह अपने साथ और दूसरों के साथ सहज रहता है।
- उसे पहचानना आसान है, लेकिन उसकी व्याख्या करनी मुश्किल है।
- वह जिम्मेदारियाँ क़बूल करता है।
- वह विनम्र होता है।
- वह जीत और हार दोनों स्थितियों में समानता बनाए रखता हैं।
- वह भाग्य और प्रसिद्धि का मोहताज़ नहीं होता ।
- वह कोई नेम प्लेट नहीं होता ।
- उसमें स्थिरता होती है।
- उसमें आत्मअनुशासन और ज्ञान होता है।
- वह जीतने पर दयाभाव, और हारने पर समझदारी दिखाता है।
-

इंसान का चरित्र, निष्ठा, निःस्वार्थ भावना, समझ, दृढ़विश्वास, साहस, वफ़ादारी, और दूसरों की इज़्ज़त करने जैसे गुणों का मेलजोल होता है।

संकलित

तारांशु – वर्ष 2, अंक – 1, अगस्त, 2013

अनुक्रमणिका

विषय	पृष्ठ क्रमांक
चरित्रवान् व्यक्तित्व	*02*
अनुक्रमणिका	*03*
बुजुर्गों को समर्पित	*04*
पीड़ितों की सेवा	*05*
श्री सत्भूषण जैन का जन्मदिन	*06*
सहायतार्थ अभ्यर्थी महिलाएँ	*07*
तृप्ति सेवा	*08*
आनन्द वृद्धाश्रम में मिलिए	*09*
मोतियाबिन्द जाँच-ऑपरेशन हेतु चयन शिविर विवरण	*10-14*
Tara Contacts	*14*
Our Donors	*15-16*
Our Life-Members	*17*
Tax Exemption and How to donate	*18*
दान-सहयोग हेतु निवेदन	*19*

आशीर्वाद डॉ. कैलाश 'मानव', संस्थापक - नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर

तारांशु मासिक, अगस्त, 2013

'तारांशु' – स्वत्वाधिकारी, श्रीमती कल्पना गोयल द्वारा 240–ए, हिरण मगरी, सेक्टर – 6, उदयपुर, राजस्थान से प्रकाशित तथा मुद्रक श्री सत्यप्रकाश कुमार शर्मा द्वारा सागर ऑफसेट प्रिन्टर, इण्डिया प्रा. लि. प्लॉट नं. 518, इकोटेच – III, उद्योग केन्द्र एक्टेंषन – II, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेष) में मुद्रित, सम्पादक – श्रीमती कल्पना गोयल

बागबाँ.....

कुछ वर्षो पहले दिवंगत बी.आर. चौपड़ा साहब की एक फिल्म आई थी ''बागबाँ'' जब उसे पहली बार देखा तो दिल को छू गई पर पूरा यकीन नहीं था कि ऐसा भी हो सकता है कि बच्चे माँ–बाप का भी बंटवारा कर सकते हैं......... लेकिन ''तारा संस्थान'' में जब वृद्धजन के लिए काम कर रहे हैं तो कुछ ऐसी हकीकते सुनने को भी मिली जो बागबान के बच्चों से ज्यादा क्रूर थी....अभी हाल ही में टी.वी. पर एक बार पुनः बागवान देखने का मौका मिला। फिल्म के अंत में श्री अमिताभ बच्चन मंच से कुछ पंक्तियाँ बोलते हैं, वही कुछ पंक्तियाँ हमारे सभी बुजुर्गों को समर्पित हैं।

''मैं कोई लेखक नही हूँ, लेखक जो सोच के सागर में डूब के ना जाने कैसे कैसे पौधे निकाल लेते हैं। मैंने तो बस वो ही लिखा है, जो जिन्दगी ने मुझे सिखाया है। बागबाँ मेरे बारे में या किसी एक इंसान के बारे में नही है, ये किताब है बीते हुए कल और आने वाले कल के बीच के सन्नाटे के बारे में, ये किताब है एक पीढी और दूसरी पीढी के दरम्यान टूटे हुए हर पुल के बारे में, ये किताब है झुके हुए उन कन्धों के बारे में जिन पर बैठकर कुछ बच्चों ने जिन्दगी के मेले देखे थे, ये किताब है कापते हुए उन खाली हाथों के बारे में जिन्होने अपने बच्चों के नन्हे हाथों को पकड़ कर चलना सिखाया था।

ये किताब है लरजते हुए उन होठों के बारे में, जिनमें कभी लोरियाँ थीं, मगर अब बरसों से खामोश हैं। ज़माना बदल गया है ज़माने के साथ जिन्दगी बदल गई है, हमारी उम्र के लोग याद करें, कैसे बेकार के रिश्तों और बंधनों में उलझे रहते थे। बाप के चहरे में ईश्वर देखतें थे, माँ के चरणों में स्वर्ग दिखाई देता था, लेकिन अब लोग समझदार हो गए हैं। आज की पीढ़ी बड़ी होशियार और प्रेक्टीकल हो गई है। उनके लिए हर रिश्ता एक सीढ़ी की तरह है, जिस पर पांव रखकर वो निकल जाते हैं और जब उस सीढ़ी का कोई इस्तेमाल नही होता, तो उसे घर के टूटे कुर्सी, मेज, टूटे फूटे बर्तन, फटे पुराने कपडें कल के अखबार की तरह रद्दी समझकर किसी कबाड़ खाने में फैके देते हैं।

लेकिन जिन्दगी सीढ़ी की धरो पर नही चलती ज़िन्दगी पेड की तरह होती है माँ बाप किसी सीढ़ी के पहले पायदान नही, मां बाप जिन्दगी के पेड़ की जड़ हैं। पेड़ कितना ही बड़ा क्यूँ न हो कितना ही हरा भरा क्यो न हो –

जड़ काटने से वो हरा नहीं रह सकता।

इसलिए बड़ी विनम्रता और आदर से में पूँछता हूँ कि जब बच्चों की खुशियों के लिए एक बाप अपनी मेहनत की पाई–पाई हँसते – हँसते उनपे खर्च कर देता है, तो वो ही बच्चे जब बाप की आँखें धुंधली पड़ जाती हैं, तो उन्हें क़तरा भर रोशनी देने से भी क्यों क़तराते हैं। एक बाप अगर अपने बेटे की जिन्दगी का पहला कदम उठाने में उसकी मदद कर सकता है, तो वो बेटा अपने बाप के हारे हुए कदम उठाने में उसको सहारा क्यूँ नहीं दे सकता। जिन्दगी भर अपने बच्चों पर खुशियाँ लुटाने वाले माँ बाप को किस जुर्म में आंसुओं और तन्हाई की ज़िल्लत उठानी पड़ती है। अरे वो हमें प्यार दे नहीं सकते तो उन्हें हमसे हमारा प्यार छीनने का अधिकार किसने दिया।

क्या समझते हैं ये बच्चे, के जिन माँ बाप को प्यार के बन्धन में बांध कर भगवान ने एक किया है, उन्हें वो दो हिस्सों में बांट कर अलग–अलग तड़पता छोड़ सकते हैं। क्या इसी दिन के लिए इंसान औलाद पालता है, इसी दिन के लिए। औलाद शायद ये भूल रही है, कि जो हमारा आज है, वो इनका कल होगा और अगर आज हम बूढ़े हैं तो कल वो बूढ़े होंगे।

जो सवाल हम आज कर रहे हैं वो ही सवाल कल वो पूछेंगे, और रही मेरी बात, तो हमारी चिंता तो अपनी जगह पर है, क्यूं के अगर हम उन बच्चों को पाल पोस कर बड़ा कर सकते हैं, जो न खुद चल सकते हैं, न बोल सकते हैं, तो हम अपने आप को भी पाल सकते हैं।''

कल्पना गोयल
संस्थापक एवम् अध्यक्ष,
तारा संस्थान, उदयपुर

पीड़ितों की सेवा

– एक सामाजिक दायित्व भी

धार्मिक आचरणों और अवधारणाओं का एक सुदृढ़ तर्क संगत आधार भी होता है। 'सेवा परमो धर्मः' – इस उक्ति में सेवा को परम – अर्थात् श्रेष्ठतम, उत्तम धर्म माना गया है। लेकिन, इसके साथ ही सेवा एक सामाजिक कर्त्तव्य और दायित्व भी है। सेवाधर्मिता न केवल सन्तोष और आत्म–सुख का कारण है, अपितु सर्वविध स्वास्थ्य के लिए एक आवश्यक घटक भी है। इस बात को इस प्रकार समझा जा सकता है –

मान लीजिए आपका कोई अंग किसी व्याधि से ग्रस्त है, तो आपका पूरा शरीर, पूरा व्यक्तित्व अस्वस्थ होकर पीड़ा की अनुभूति करता है। यदि परिवार का कोई अन्य सदस्य व्याधि ग्रस्त है, तो वह सदस्य तो पीड़ा अनुभव करता ही है, आप भी पारिवारिक सम्बन्ध और आत्मीय लगाव के कारण मानसिक और भावनात्मक कष्ट महसूस करते हैं। ऐसी ही स्थिति अपने गाँव, षहर, मोहल्ले में किसी व्यक्ति के व्याधिग्रस्त होने पर भी अनुभव की जाती है। यही स्थिति पूरे सामाजिक सन्दर्भ में होती है। हमारी चेतना का आयाम जितना व्यापक और विस्तृत होता जाता है, हमारी सुख–दुःख की संवेदनाएँ भी उतनी ही व्यापक और विस्तृत होती जाती हैं। अतः समाज में एक भी व्यक्ति पीड़ित या व्याधिग्रस्त है, तो उसकी व्याप्ति पूरे समाज में होना स्वाभाविक है। पर ऐसा वास्तव में होता बहुत कम है। अगर किसी अन्य की पीड़ा की व्याप्ति हमारे मन तक नहीं होती है, तो यह मानने का समुचित तर्क है, कि हमारी चेतना बहुत ही सीमित और संकुचित दायरे में ही बंधी हुई है। मानव विकास और उत्कर्ष का प्रमाण तो व्यक्ति की चेतना के विस्तार में ही मिलेगा। अतः समाज के प्रत्येक व्यक्ति को पीड़ा और कष्ट से मुक्त करवाने के संकल्प और प्रयास का ही नाम 'सेवा' है।

वर्तमान सन्दर्भों में पीड़ा की अभिव्यक्ति के प्रमाण बहुत ही मार्मिक और अमानवीय रूपों में देखने को मिल जाते हैं। भूख, कुपोषण, रोग, दरिद्रता आदि से पीड़ित बालक–युवा–वृद्ध महिला पुरुषों की निरन्तर बढ़ती संख्या स्थिति का भयावह रूप ही दिखाती है, और पूरे सामाजिक ढाँचे को अस्थिर–अस्वस्थ कर सकती है।

अतः विवेक पूर्ण चिन्तन से समाधान खोजें तो यह निष्कर्ष निकलता है, कि इन अधिकतर व्याधियों का कारण गरीबी, निर्धनता है। समाज के धनी, सम्पन्न किन्तु मानवीय संवेदना से युक्त और विवेकशील बन्धु यदि पहल करें तो अपनी आय का कुछ अंश नियमित रूप से पीड़ितों की सेवा के लिए दान–स्वरूप समर्पित करने का शुभारंभ करें। ऐसा करके वे न केवल धर्मशास्त्रों में वर्णित दान के फल को प्राप्त करने के अधिकारी बनेंगे, अपितु अपने समाज को पीड़ा–व्याधि–कष्ट के दुःखों से मुक्त करके सही अर्थों में स्वस्थ समाज के निर्माण में अपने सामाजिक दायित्व का निर्वहन भी करेंगे।

नगेन्द्र प्रकाष भार्गव
मुख्य संरक्षक, तारा संस्थान

तारा संरक्षक श्री सत्यभूषण जी जैन के जन्मदिवस दिनांक 19 जुलाई के उपलक्ष्य में उन्हीं के सौजन्य से आयोजित शिविर

षिविर में रोगियों को चष्मा पहनाते हुए माननीय राव धर्मपाल जी, विधायक (बादषाहपुर) एवं पूर्व मंत्री हरियाणा।

षिविर में पधारे आर्ट ऑफ लिविंग के इंटरनेषनल डाइरेक्टर व श्री श्री रविषंकर जी के परम षिष्य, श्री महेष गिरी जी का स्वागत करते श्री सत्यभूषण जी जैन संरक्षक व श्री दीपेष मित्तल, मुख्य कार्यकारी, तारा संस्थान।

श्री सत्यभूषण जी जैन, संरक्षक, तारा संस्थान के जन्मदिन पर तारा परिवार की ओर से श्रीनाथ जी का चित्र भेंट करते श्री दीपेष मित्तल, मुख्य कार्यकारी, तारा संस्थान

षिविर की ओपीडी में पधारें रोगी।

षिविर आयोजन में सहयोगी एल्प्स ग्रुप के परिवारजन श्रीमती व श्री रवि नारंग, श्री अनूप नारंग व अन्य परिजन

स्व. श्रीमती कमला देवी अग्रवाल की पावन स्मृति में कमला देवी मेमोरियल एजुकेशन वेल्फेयर एवं चेरिटेबल सोसायटी के सौजन्य से...

षिविर में पधारे अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के अध्यक्ष श्री सुरेन्द्र गुप्ता व षिविर सौजन्यकर्त्ता प्रमुख उद्योगपति व समाज सेवी श्री एस.एस. अग्रवाल सा. व अन्य अतिथियों का स्वागत करते तारा संरक्षक श्री सत्यभूषण जैन।

षिविर में रोगियों को चष्मा पहनाते अतिथिगण।

गौरी योजना में सहायता के लिए प्रतीक्षारत अभ्यर्थी असहाय विधवा महिलाएँ

भगवान देवी निवासी महुअन, तहसील–मथुरा की निवासी है। इनके 8–14 आयु वर्ग में 4 पुत्र हैं। इनके पति का निधन वर्ष 2008 में हो गया। आजीविका का कोई सहारा नहीं है। मजदूरी पर निर्भर है, परन्तु मजदूरी भी प्रतिदिन नहीं मिलती, रहने का कोई समुचित आश्रय भी नहीं है। पुत्रों के भर पेट भोजन की व्यवस्था का ही कोई समुचित प्रबन्ध नहीं हो, तो पढ़ाई की बात करना सरासर बेमानी है। गौरी योजना में सहायता के लिए आवेदन किया है।दान दाताओं से सहयोग सौजन्य प्राप्त होते ही इन्हे सहायता प्रारम्भ की जा सकेगी।

श्रीमती सुनीता गुप्ता की आयु–43 वर्ष है। ये बगरु, जयपुर की निवासी है। इनके 16–17 वर्ष के दो पुत्र हैं। मई 2013 में इनके पति के दुखद निधन के बाद स्वयं के एवम् पुत्रों के भरण पोषण की जिम्मेदारी इन पर आ गई और परिवार में कोई सम्बल या सहारा है, और न ही आय का स्रोत। बहुत मुश्किल परिस्थितियों में पड़ गई है दानदाताओं से सहयोग सम्बल मिलने पर इन्हे गौरी योजना में चयनित किया जा सकेगा।

श्रीमति कुसुम मेघवाल, प्रतापनगर, उदयपुर की रहने वाली है। इनकी आयु–28 वर्ष है और इनके 3–5 वर्ष की 2 पुत्रिया हैं। मार्च 2012 में इनके पति की हत्या हो गई। तब से ये अपने पीहर में रह रही है। ससुराल में इनका कोई सहारा या सम्बल नहीं है। पीहर में 2 अविवाहित छोटी बहने और 1 छोटा भाई है। ये अपने पिता पर आश्रित हैं, पर पिता के पास भी कोई काम धन्धा या आजीविका का साधन नहीं है। बहुत ही दयनीय स्थिति है। संसाधन उपलब्ध होते ही इन्हे तारा संस्थान की गौरी सेवा योजना में चयनित किया जाएगा।

श्रीमति सुशीला की आयु–35 वर्ष है। इनके 12 वर्ष का 1 पुत्र तथा 3 वर्ष की 1 पुत्री है। इनके पति का निधन 2012 में हुआ। ये संयुक्त परिवार के साथ एक छोटे से मकान में रहती है। परिवार की स्थिति निर्धन है। बेटा एक दुकान में काम करता है, जहाँ 300 रुपया महीना मिलता है। ये स्वयं जूते सिलाई का काम करती है, जिससे 10–20 रुपया कमा लेती है। यह राशि परिवार चलाने के लिए कदापि पर्याप्त नहीं है और श्रीमती सुशीला को अपने बच्चों को पालने में बहुत कठिनाई हो रही है।

ऐसी विधवा महिलाओं की असहाय स्थिति से द्रवित होकर जो दानदाता इनकी सहायता के लिए दान सहयोग भेजते हैं, वह दान राशि इन विधवा महिलाओं को सीधे उन तक पहुँचा दी जाती है। इसी क्रम में सहायता राशि प्राप्त होते ही श्रीमती सुशीला को भी गौरी योजना में सम्मिलित किया जा सकेगा।

मानवीय संवेदनाओं को आहत करने वाली असहाय विधवा महिलाओं की पीड़ाओं को कुछ कम करने के प्रयास के प्रति यदि आप भी इच्छुक हों, तो कृपया प्रति विधवा महिला 1000 रु. प्रतिमाह की दर से 01 माह, 03 माह, 06 माह, 01 वर्ष या इससे भी अधिक अवधि के लिए अपना दान–सहयोग 'तारा संस्थान' को प्रेषित करने का अनुग्रह करें।

तृप्ति योजना - असहाय बुजुर्गों को खाद्य-सामग्री सहायता

आपसे प्राप्त दान सहयोग के माध्यम से निर्धन बुजुर्गों की सहायता हेतु प्रारम्भ की गई तृप्ति योजना में 252 से अधिक ऐसे निर्धन बुजुर्गों को खाद्य सामग्री सहायता पहुँचाई जा रही है, जिनका न तो कोई आश्रय है, न ही कोई सम्बल स्रोत। तारा के पास ऐसे कई अभ्यर्थियों के आवेदन आये हैं, जिनकी निर्धनता के कारण और वृद्धावस्था के कारण हालत बहुत ही दयनीय हैं। इनके दो समय भरपेट भोजन का भी कोई ठिकाना नहीं। ऐसे कुछ निर्धन बुजुर्गों को तृप्ति योजना में खाद्य – सामग्री सहायता देकर भूख की पीड़ा से कुछ राहत पहुँचाई जा रही है।

लक्ष्मी बाई लौहार, गाँव – गुडेल, त. सलुम्बर, जिला – उदयपुर (राज.) की रहने वाली है। इनकी आयु 52 वर्ष है। इनके पति का 8 वर्ष पहले निधन हो चुका है और इनकी दो पुत्रियाँ है जिससे में 1 एक की शादी हुई है, और एक अविवाहित है। इनके पास जमीन नहीं है, कोई पूंजी नहीं है तथा इनके किसी भी प्रकार का कोई कमाई का साधन भी नहीं है। अतः तारा संस्थान से इनको तृप्ति योजना में प्रतिमाह सहायता दी जा रही है।

देवी कुँवर पत्नी स्व. श्री भेरु सिंह जी, गाँव – गुडेल, त. सलुम्बर, जिला – उदयपुर (राज.) के रहने वाले हैं। इनके पति का स्वर्गवास हो चुका है। इनकी आर्थिक स्थिति बहुत ही कमजोर है। इनको एक समय का भोजन भी बड़ी मुश्किल से होता है, इनका कोई आर्थिक सहारा भी नहीं है। अपना जीवन बड़ी कठिनाई से व्यतीत कर रहे हैं। इनके पति की मृत्यु – कुएँ में मोटल चालू करने गए जहाँ विद्युत् आधात लगने से इनकी मृत्यु हो गई। 1 वर्ष से इन्हें तारा संस्थान से तृप्ति योजना में राशन वितरण किया जा रहा है।

भग्गा जी रावत, गाँव – सवना, त. वल्लभनगर, जिला – उदयपुर (राज.) के रहने वाले हैं। ये परिवार में पति – पत्नी दोनों अकेले हैं तथा इनका जीवन बहुत ही तकलीफों भरा है। दोनों ही बुजुर्ग हैं, तथा पुत्र – पुत्री कुछ भी नहीं है। ये तारा संस्थान से 1 वर्ष से तृप्ति योजना में राशन वितरण का लाभ ले रहे है तथा 300 रु नकद सहायता मिल रही है, जिससे इनका जीवन कुछ आसानी से व्यतीत हो रहा है।

'तृप्ति योजना' के अन्तर्गत प्रत्येक बुजुर्ग को निम्नानुसार मात्रा में 1500/- मूल्य की खाद्य-सामग्री सहायता प्रतिमाह वितरित की जा रही है।

आटा - 10 कि.ग्रा., चावल - 2 कि.ग्रा., दालें - 1.5 कि.ग्रा., खाद्य तेल - 1 कि.ग्रा., शक्कर - 1.5 कि.ग्रा., मसाले (धनिया, मिर्च, हल्दी) - 500 ग्रा., नमक - 1 कि.ग्रा., साबून - 2, नकद राशि - रु. 300 (शाक - सब्जी के लिए)। खाद्य - सहायता व्यय - रु.1500 प्रति व्यक्ति, प्रतिमाह

वर्तमान में तृप्ति योजना के अन्तर्गत 252 बुजुर्ग बन्धुओं को प्रतिमाह उपर्युक्त मात्रानुसार खाद्य सामग्री पहुँचाई जा रही है। आपके सहयोग सौजन्य से यह संख्या 500 करने का लक्ष्य है।

आपसे प्रार्थित खाद्य-सामग्री सहयोग-सौजन्य राशि

रु. 4500 (3 माह), रु. 9000 (6 माह), रु. 18000 (एक वर्ष)

आनन्द वृद्धाश्रम के बुजुर्ग आवासियों से मिलिए

हम तारांशु के पाठकों एवम् करुणाशील दानदाताओं का प्रतिमाह आनन्द वृद्धाश्रम के किसी बुजुर्ग आवासी का परिचय करवाते हैं। इस क्रम में प्रस्तुत है भीलवाड़ा निवासी श्री नारायण लाल सोनी का परिचय –

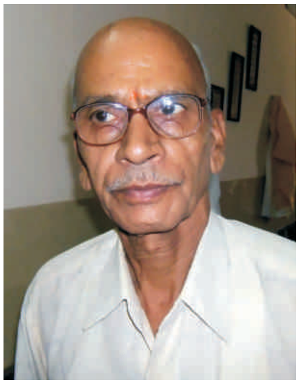

नागौरी मोहल्ला, भीलवाड़ा (राज.) निवासी – 70 वर्षीय श्री नारायण लाल सोनी की व्यथा – कथा अतिमार्मिक है। श्री नारायण लाल सोनी आभूषणों का निर्माण करते थे। इनकी अच्छी सामाजिक एवम् आर्थिक प्रतिष्ठा थी। परिवार में 1 पुत्र एवं 2 पुत्रियाँ है। पुत्रियाँ विवाहित हैं, और ये अपनी पत्नी एवं पुत्र के साथ सामान्य जीवन यापन कर रहे थे। दुर्भाग्य से वर्ष 2009 में इनके प्रतिष्ठान में चोरी हो गई। जिन साहूकारों का सोना आभूषण निर्माण हेतु इनके पास पड़ा था, वह तथा इनकी अपनी पूंजी सारा माल चोर चुराकर ले गए। इस दुर्भाग्यपूर्ण अनहोनी से इनका पूरा जीवन ही बदल गया। ये कर्जदार हो गए और परिवार चलाना मुश्किल ही गया। पारिवारिक यंत्रणा से हार कर ये 20 जून, 2012 में आनन्द वृद्धाश्रम में आ गए और यहाँ रहने लगे। कुछ समय बाद जब इनकी पत्नी व पुत्र को इसकी जानकारी मिली तो वे यहाँ आए और इनके साथ सद्व्यवहार करने का आश्वासन देकर इन्हें वापस भीलवाड़ा ले गए। लेकिन, उनके व्यवहार में कोई अन्तर नहीं आया। आर्थिक हानि से व्यथित श्री नारायण लाल का मन किसी काम में नहीं लगता था और परिवार–जनों का इनके प्रति यंत्रणा पूर्ण व्यवहार दिन–दिन बढ़ता ही जा रहा था। स्थिति असह्य होने पर इन्होंने पुनः आनन्द वृद्धाश्रम में आने का निर्णय किया। जून माह के प्रारम्भ में सुख और सुकून भरे जीवन की चाह में श्री नारायण लाल पुनः वृद्धाश्रम में आ गये हैं और यहाँ शान्ति पूर्वक अपना जीवन यापन कर रहे हैं।

आनन्द वृद्धाश्रम आवासियो की दिन–चर्या के विविध दृष्य

आप भी यदि किसी असहाय बुजुर्ग बन्धु के लिए 'आनन्द वृद्धाश्रम' में आवास की मानवीय सुविधा उपलब्ध करवाने की सेवा भावना रखते हैं, तो कृपया प्रति बुजुर्ग 5000 रु. प्रतिमाह की दर से अपना दान सहयोग 'तारा संस्थान' को प्रेषित करने की कृपा करें।

01 माह – 5000 रु., 03 माह – 15000 रु., 06 माह – 30000 रु., 01 वर्ष – 60000 रु.

वृद्धाश्रम आवासियों से कोई शुल्क नहीं लिया जाता है। उनके लिए वृद्धाश्रम की सभी सेवाएँ सुविधाएँ – भोजन, वस्त्र, आवास, चिकित्सा देखभाल आदि, सर्वथा नि:शुल्क है।

मोतियाबिन्द जाँच -ऑपरेशन हेतु चयन शिविर

तारा संस्थान द्वारा निर्धन वृद्ध बन्धुओं की आँखों में सामान्यतः पाये जाने वाले मोतियाबिन्द के निदान और ऑपरेशन हेतु चयन के लिए शिविर आयोजित किये जाते हैं। दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं की स्थिति अधिक ही पीड़ादायक है, क्योंकि प्रथम तो उन्हें मोतियाबिन्द–ऑपरेशन की सुविधा आसानी से उपलब्ध नहीं है एवं द्वितीय, निर्धनता उनकी चिकित्सा में बड़ा अवरोधक है। तारा संस्थान ने ऐसे निर्धन बन्धुओं की जाँच हेतु शिविर लगाने एवं चयनित मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं के शिविर स्थल के निकटवर्ती कस्बे या शहर में स्थित अधुनातन सुविधाओं से सम्पन्न नेत्र चिकित्सालयों या संस्थान के उदयपुर व दिल्ली स्थित 'तारा नेत्रालय' में सर्वथा निःशुल्क ऑपरेशन करवाने का कार्य प्रारंभ किया है। निःशुल्क सुविधाओं में मोतियाबिन्द की जाँच, दवाइयाँ, लेंस, ऑपरेशन, चश्मे, रोगियों का परिवहन, भोजन तथा देखभाल आदि सम्मिलित है।

शिविर विवरण

'तारा संस्थान' द्वारा माह जून – जुलाई, 2013 की अवधि में आयोजित मोतियाबिन्द जाँच, चयन शिविर व ऑपरेशन का संक्षिप्त विवरण

दिनांक	स्थान	सौजन्यकर्त्ता	कुल ओ.पी.डी.	चयनित
16 जून, 2013	चारभुजा मन्दिर, भानसोल का खेड़ा, त. मावली, जिला – उदयपुर (राज.)	मैसर्स सुपर फाइन प्लास्टिक वर्क्स, नोएडा (श्री तरुण सभवाल, निवासी – नोएडा)	120	09
19 जून, 2013	राजकीय प्राथमिक विद्यालय, गाँव–गादोली, त. मावली, जिला – उदयपुर (राज.)	श्री ओमप्रकाष जी मुन्दडा पुत्रवधु श्रीमती सुषीला जी मुन्दडा, निवासी – आकोला	95	08
22 जून, 2013	ग्राम पंचायत भवन, गाँव – फलीचड़ा, त. मावली, जिला – उदयपुर (राज.)	श्री जे. एम. बजाज, निवासी – मुम्बई	97	08
30 जून, 2013	तारा नेत्रालय, 236, सेक्टर – 6, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.)	श्री हरगोविन्द भाई मिस्त्री के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में	86	07
30 जून, 2013	राजकीय षिक्षाकर्मी प्राथमिक विद्यालय, गाँव – वाजमियाँ, त. वल्लभनगर, उदयपुर (राज.)	श्री संजय लोहटिया, निवासी – चण्डीगढ़	102	05
01 जुलाई, 2013	राजीव गाँधी सेवा केन्द्र, गाँव – लसाड़िया, बस स्टेण्ड, त. लसाड़िया, जिला – उदयपुर (राज.)	श्रीमती कुमुदनी पत्नी श्री कैलाष जी, (पुत्र) श्री गणेषलाल जी, श्रीमती गुंजन जी – श्री प्रषांत जी अग्रवाल, निवासी – आकोट (महा.)	95	17
01 जुलाई, 2013	तारा नेत्रालय, 236, सेक्टर – 6, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.)	श्री संजय जी व्यास, यू.के.	127	06
01 जुलाई, 2013	तारा नेत्रालय, 236, सेक्टर – 6, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.)	श्री पारस जी चोथमल जी खजान्ची के जन्मदिवस पर, निवासी – सावली – चन्द्रपुर (महा.)	97	08
02 जुलाई, 2013	तारा नेत्रालय, 236, सेक्टर – 6, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.)	श्रीमती मनी बेन नरसिंह भाई पटेल, यू.के.	104	05
03 जुलाई, 2013	सोफिया पब्लिक स्कूल, दरोली हाउस के सामने, दक्षिणी सुन्दरवास, उदयपुर (राज.)	गौरव बहुउद्देषीय संस्था – आकोला (महा.) (अध्यक्ष – श्री भारु मल जी मुलानी)	189	12
04 जुलाई, 2013	तारा नेत्रालय, 236, सेक्टर – 6, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.)	श्री सुनील जी जैन, निवासी – मुम्बई	102	05
05 जुलाई, 2013	तारा नेत्रालय, 236, सेक्टर – 6, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.)	श्रीमती मोना बेन – श्री समीद भाई पारिख निवासी – मुम्बई	71	07
06 जुलाई, 2013	तारा नेत्रालय, 236, सेक्टर – 6, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.)	बेबी बाई श्री मोती लाल जी नाहर, निवासी – मुम्बई	110	09

उदयपुर एवं दिल्ली स्थित तारा नेत्रालयों में आयोजित मोतियाबिन्द जाँच–ऑपरेषन हेतु चयन षिविरों की झलकियाँ

07 जुलाई, 2013	राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, गाँव – छाणी, त. खेरवाड़ा, जिला – उदयपुर (राज.)	आलमाल परिवार, निवासी – अहमदाबाद (गुज.)	107	12
08 जुलाई, 2013	तारा नेत्रालय, 236, सेक्टर – 6, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.)	श्री गणपत लाल जी जैन, निवासी – दादर, मुम्बई	88	08
09 जुलाई, 2013	तारा नेत्रालय, 236, सेक्टर – 6, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.)	निषा सेठी, निवासी – चैन्नई	91	06
09 जुलाई, 2013	आयुर्वेदिक औषधालय परिसर, बग्गड़, त. वल्लभनगर, जिला – उदयपुर (राज.)	श्रीमीती सुधा जी कोठारी, (पुत्र) श्री राजेष कोठारी निवासी – जामनेर (जलगाँव – महाराष्ट्र)	80	22
11 जुलाई, 2013	तारा नेत्रालय, 236, सेक्टर – 6, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.)	तिरुपति कोटेक्स, इच्छलकरणजी	70	08
.... जुलाई, 2013	तारा नेत्रालय, 236, सेक्टर – 6, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.)	श्रीमती प्रेमा बाई पत्नी श्री लाल चन्द जी जैन, निवासी – चैन्नई	97	04
12 जुलाई, 2013	तारा नेत्रालय, WZ – 270, गाँव – नवादा, उत्तम नगर, दिल्ली – 59	एच. श्री निवास राव, पष्चिम विहार, दिल्ली	65	03
15 जुलाई, 2013	तारा नेत्रालय, WZ – 270, गाँव – नवादा, उत्तम नगर, दिल्ली – 59	श्रीमान् श्याम लाल बंसल, वजीरपुरा, दिल्ली – 52	60	02
20 जुलाई, 2013	तारा नेत्रालय, 236, सेक्टर – 6, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.)	श्रीमती करुणा जी एवं श्री सत्यनारायण विष्वनाथ उपाध्याय, निवासी – सूरत	89	03
22 जुलाई, 2013	तारा नेत्रालय, 236, सेक्टर – 6, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.)	एकादषी भजन मण्डल, हिंगन घाट, वर्धा (महा.)	91	07
24 जुलाई, 2013	तारा नेत्रालय, WZ – 270, गाँव – नवादा, उत्तम नगर, दिल्ली – 59	श्री बालकृष्ण जी दवे, निवासी – चैन्नई	90	04
25 जुलाई, 2013	तारा नेत्रालय, WZ – 270, गाँव – नवादा, उत्तम नगर, दिल्ली – 59	पावन स्मृति : स्व. श्री रिखबचन्द्र जी, खुमाजी साकरिया, सहयोग : आर.के. मेटल वेयर, चैन्नई	70	04
26 जुलाई, 2013	तारा नेत्रालय, WZ – 270, गाँव – नवादा, उत्तम नगर, दिल्ली – 59	श्रीमती सुषीला देवी कोठारी, कोठारी एजेन्सी, चैन्नई	79	03

शिविर सौजन्य OKAYA Foundation ...Happiness forever के सौजन्य से माह जुलाई 2013 में शिविर आयोजित

भारत की अग्रणी पावर कम्पनी ओकाया पावर लिमिटेड के सौजन्य से मोतियाबिन्द ग्रस्त रोगियो की चिकित्सा के लिए जुलाई 2013 में 35 शिविर आयोजित करवाए गए। ओकाया के सौजन्य से तारा संस्थान द्वारा अब तक 50 शिविर आयोजित हो चुके हैं। आलोच्य अवधि में आयोजित शिविरों का विवरण निम्नानुसार है–

शिविर दिनांक	स्थान	ओ.पी.डी.	चयनित रोगी	चश्मे	दवाई
26 जून, 2013	सिद्धी विनायक गेस्ट हाउस, ऑप. चित्रा विहार, पूर्वी दिल्ली	341	04	164	253
27 जून, 2013	समुदाय भवन, गाँव कडकड्डुमा, पूर्वी दिल्ली 92	780	25	178	610
27 जून, 2013	नगर निगम समुदाय केन्द्र, आई.पी. इक्टेक्षन, पूर्वी दिल्ली	468	08	195	348
28 जून, 2013	षिव मन्दिर, ऑप. धोबी घाट , आई.पी. इक्टेक्षन, पूर्वी दिल्ली	626	03	207	420
29 जून, 2013	कम्युनिटी सेन्टर, नियर बोर्डर न्यू सीमापुर, शाहदरा, दिल्ली	500	06	189	370
30 जून, 2013	सरकारी स्कूल, गाँधी नगर, ईस्ट दिल्ली	325	04	92	250
30 जून, 2013	अनुकृति विषेष स्कूल, पुरानी सीमापुरी, पूर्वी दिल्ली	510	05	150	410
01 जुलाई, 2013	सेवाभारती स्कूल, दिलषाह विहार, शाहदरा, ईस्ट दिल्ली	464	06	204	346
02 जुलाई, 2013	सुन्दरलाल मेमोरियल हॉस्पीटल, शाहदरा, ईस्ट दिल्ली	412	06	146	220
03 जुलाई, 2013	पंचायत घर, कोण्डली चौक, पुरानी कोण्डली, दिल्ली	473	03	190	368
04 जुलाई, 2013	बारात घर सपेरा बस्ती, नियर घरोली गाँव, दिल्ली	299	02	133	255
06 जुलाई, 2013	डी–7, उद्योग नगर, पीरागढ़ी चौक, नई दिल्ली 41	452	12	222	313
06 जुलाई, 2013	राधा कृष्ण मन्दिर, राजीव कैम्प, नियर नगर डेयरी, दिल्ली	425	07	200	270
07 जुलाई, 2013	बी.आर. मोर्डन पब्लिक स्कूल, कोण्डली, दिल्ली	350	07	99	200
07 जुलाई, 2013	कृपालु आश्रम, झिलमिल कॉलोनी, दिल्ली	482	08	94	380
08 जुलाई, 2013	डिस्पेंसरी, नियर जल बोर्ड ऑफिस, गाँधी नगर, दिल्ली	490	07	102	375
09 जुलाई, 2013	इमामबरा, रानी गार्डन, नियर गीता कॉलोनी, पूर्वी दिल्ली	483	09	132	426
10 जुलाई, 2013	कृष्णा कुंज मन्दिर के पास, लक्ष्मी नगर, दिल्ली	240	04	107	180
11 जुलाई, 2013	बस्ती विकास केन्द्र, शषी गार्डन, पड़पडगंज, दिल्ली 91	448	05	158	368
12 जुलाई, 2013	राजेन्द्र आश्रम, पांडव नगर, लक्ष्मी नगर, दिल्ली	325	08	116	265
12 जुलाई, 2013	हनुमान मन्दिर, न्यू सीलमपुर, गाँधी नगर, दिल्ली – 53	595	02	170	528

क्रमशः अगले अंक में

ओकाया फाउण्डेषन के सौजन्य से तारा संस्थान द्वारा आयोजित मोतियाबिन्द जाँच–ऑपरेषन हेतु चयन षिविरों के दृष्य

जन्म दिन के उपलक्ष्य में शिविर आयोजन

स्व. सरदार कुलबन्त सिंह चड्ढा के जन्म दिन के उपलक्ष्य में दिल्ली सिख गुरूद्वारा प्रबन्धक कमेटी एवं वेव इन्फ्राटेक के सौजन्य से तारा संस्थान द्वारा 5 जुलाई 2013 को गुरू हरिकिशन पोलिक्लिनिक गुरू द्वारा श्री बंगला साहिब जी नई दिल्ली में मोतियाबिन्द ग्रस्त रोगियो की जांच एवं ऑपरेशन हेतु चयन शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 967 रोगियो की जांच की गई, जिनमें से 19 मोतियाबिन्द ग्रस्त रोगियों का ऑपरेशन के लिए चयन हुआ, 752 रोगियो को दवाइया दी गईं, 310 रोगियों को चश्मे वितरित किए गए एवम् 112 श्रुति–बधिरों को श्रवण यंत्र वितरित किये गए।

इसी तरह स्व. सरदार कुलबन्त सिंह चड्ढा की प्रेरणा से दिल्ली सिख गुरूद्वार प्रबन्धक कमिटी एवम् इन्फ्राटेक के सौजन्य से माह जुलाई, 2013 में जो शिविर आयोजित करवाए गए हैं, उनका संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है–

शिविर दिनांक	स्थान	ओ.पी.डी.	चयनित रोगी	चश्मे	दवाई	श्रवण यंत्र
16 जुलाई, 2013	गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा, मदर डेरी के सामने, दिल्ली	856	14	282	779	125
21 जुलाई, 2013	गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा, नियर कल्याणपुरी चाँद सिनेमा, दिल्ली	1061	15	458	970	76
28 जुलाई, 2013	गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा, मयूर विहार, फेस–3, दिल्ली	680	10	230	630	63

इन शिविरों में चयनित सभी रोगियों के तारा नेत्रालय दिल्ली में निःशुल्क मोतियाबिन्द ऑपरेशन करवाए गए हैं।

मानवीय सेवा सौजन्य के लिए तारा संस्थान उदयपुर , दिल्ली सिख गुरूद्वारा प्रबन्धक कमेटी एवम् वेव इन्फ्राटेक दिल्ली के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करता है एवं स्व. सरदार कुलबन्त सिंह चड्ढा के प्रति हार्दिक श्रद्धांजंलि अर्पित करता है।

दिनांक : 07 जुलाई, 2013
स्थान : लक्ष्मीनारायण मन्दिर, बी – 2, अषोक विहार – II, दिल्ली – 52

सौजन्यकर्त्ता :
श्रीमती शुभलता टकियार एवं श्री यषपाल जी टकियार,
निवासी – अषोक विहार – II, दिल्ली

कुल ओ.पी.डी. – 372, ऑपरेशन के लिए चयनित – 13, चष्मे – 222, दवाई – 356

दिनांक : 30 जुलाई, 2013
स्थान : 845, पटपडगंज इण्डस्ट्रीज एरिया,
हीरो होण्डा शो रूम के पास, दिल्ली – 92

सौजन्यकर्त्ता :
जिम बाथरूम फीटिंग, दिल्ली – 92

कुल ओ.पी.डी. – 656, ऑपरेशन के लिए चयनित – 14,
चष्मे – 305, दवाई – 580

FCRA

Tara Sansthan is registered under Foreign Contribution Regulation Act (FCRA) with the Govt of India for receiving Donations from Foreign Countries

'Tara' Contact Details - Office

Mumbai Ashram
Tara Sansthan, 203-A Wing,
Hiral Green, Apartment,
Near Sidhivinayak Nagar, Mira Road East,
District - Thane, Mumbai
Shri Amit Vyas Cell : 07666680094
Shri Madhusudan Sharma Cell : 09870088688

Gurgaon Ashram
B-30, Old DLF Colony,
Sector - 14,
Gurgaon (Haryana)
Shri Kamlesh Joshi
Cell : 08285240611

Delhi Ashram
WZ-270, Village - Nawada,
Opp. 720, Metro Pillar,
Uttam Nagar, Delhi - 59
Shri Amit Sharma,
Cell : 09999071302, 09971332943

Surat Ashram
295, Chandralok Society,
Parwat Gaon, Surat (Guj.)
Shri Prakash Acharya
Cell : 08866219767 (Guj.)
09829906319 (Raj.)

'Tara' Centre - Incharge

Shri S.N. Sharma
Mumbai (M.S.)
Cell : 09869686830

Shri Prem Kumar Mata
Banswara (Raj.)
Cell : 09414101236

Shri Prahlad Rai Singhaniya
Hyderabad (A.P.)
Cell : 09849019051

Prabha Ji Jhanwar
Amrawati
Cell : 09823066500

Shri Satyanarayan Agrawal
Kolkata
Cell : 09339101002

Shri Pawan Sureka Ji
Madhubani (Bihar)
Cell : 09430085130

Shri Vishnu Sharan Saxena
Bhopal (M.P.)
Cell : 09425050136, 08821825087

Shri Naval Kishor Ji Gupta
Faridabad (HR.)
Cell : 09873722657

Shri Anil Vishvnath Godbole
Ujjain (MP)
Cell : 09424506021

Shri Lunkaran Sharma
Vijaywada (AP)
Cell : 09392411117, 09440449633

Shri Kulbhushan Parashar
Birmingham (England)
Cell : (0044) 121 5320846, (0044) 7815430077

Shri Sethmal Modi
Dumka (Jharkhand)
Cell : 09308582741

Shri Vikas Chaurasia
Jaipur (Raj.)
Cell : 09983560006
09414473392

Area Specific Tara Sadhak

Shri Kamal Didawania
Area Chandigarh, Haryana
Cell : 08950765483 (HR)
09001864783

Shri Bhanwar Devanda
Area Noida, Ghaziabad
Cell : 09660153806
09649999540

Shri Sanjay Chaubisa
Area Delhi
Cell : 09602506303

NAME AND PLACE OF THE DONORS, WE ARE GRATEFUL TO THEM

Donors are requested kindly to send their photographs alongwith Donation for publishing in TARANSHU

Mr. Hemaram & Mrs. Seeta Devi
Chennai

Mr. Babulal Ji Sharma & Mrs. Devi Bai
Chennai

Mr. Hansraj Singhal & Mrs. Rani Singhal
Shamli (UP)

Mr. Rajkumar Kaser & Mrs. Neelam Kaser
Bilaspur (CG)

Mr. Shrichand & Mrs. Kamlesh Mutreja
Ajmer

Dr. R.G. Agrawal & Mrs. Sarojani Agrawal
Janjgeer Champa (CG)

Mrs. Pram Kanwar & Mrs. Ashok Kumari
Alwar (Raj.)

Mr. Bhanwar Lal & Krishna Machhar
Jodhpur (Raj.)

Mr. Buddhi Vinayak Joshi & Mrs. Bhagwati
Devi, Harsauli (Alwar)

Mr. Ram Babu & Mrs. Premlata Agrawal
Agra

Mr. R.K. Jain & Mrs. Santosh Jain
Chandigarh

Er. J.P. Agrawal & Mrs. Vidhya Devi
Alwar (Raj.)

Mr. Govind Kant & Mrs. Satya Valana
Shriganganagar

Mr. Jagmohan Ji & Shashi Prabha Ji
Muzaffnagar

Mr. Praveen & Mrs. Kiran
Valsaad

Mr. Rakesh Kumar & Mrs. Usha Rani Goyal
Muzaffnagar

Mr. Vansh Bhandari
Jodhpur (Raj.)

Miss Muskan Bhandari
Jodhpur (Raj.)

Mr. Mithalal Jain
Chennai

Mr. Sajjan Kumar Bansal
Chennai

Mr. Nainmal Jain
Jodhpur (Raj.)

Lt. Chodhmal Kothari

Mr. Chetan Das Agrawal
Saharanpur

Mr. S.P. Singh
Lucknow

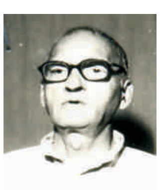
Mr. Narayan Datt Sharma
Alwar (Raj.)

Mr. Ramavatar Agrawal
Bilaspur (CG)

Mr. Jagdish Bansal
Janjgeer Champa (CG)

Lt. Mr. Rajesh Mutreja
Ajmer (Raj.)

Lt. Rajendra Kumar
Juneja, Shriganganagar

Mr. Himanshu Juneja
Shriganganagar

Mr. Lal Chandra Ji Jain & Mrs. Prema Bai
Chennai

Mr. Hukumchand & Mrs. Laxmi Devi Jain
Kolkata

Mr. Sarvesh & Lt. Mrs. Premlata Rajpoot

Mr. Seetaram & Mrs. Vijay Laxmi Maalpaani
Assam

Meenal Maalpaani
Assam

Sandeep Maalpaani
Assam

Mr. Radha Krishan Bhardwaj
Bharatpur (Raj.)

Mr. L. Mohan & Mrs. Sunita Devi Chaudhary
Chennai

Mr. Ujjawal Chaudhary
Chennai

Mr. Dvivesh Chaudhary
Chennai

Mr. Jagdish Prasad Goyal
Delhi

Mr. Samip D. Parikh
Andheri (Mumbai)

Mrs. Mona S. Parikh
Andheri (Mumbai)

Miss. Shatakshi Mehrotra
Dehradun

Mr. Adivya Raj Mehrotra
Dehradun

Mrs. Deepa Mehrotra
Dehradun

Karnal R.K. Mehrotra
Dehradun

Mr. Arvind Sangal
Muzaffnagar

Mrs. Urmila Agrawal
Saharanpur (UP)

Mr. Fooshalal Nahar
Banglore

Lt. Mr. Rikhabraj Ji Bafna
Chennai

Mrs. Uma Rani
Muzaffnagar

Mr. Shankar Lal Sharma & Mrs. Rama Devi Dadhich
Chennai

Mr. D.P. Sharma
Delhi

Mrs. Sudha Jain
Muzaffnagar

Mr. Gyan Chandra Ji Kothari
Yawatmaal (MH)

Lt. Mrs. Kamla Devi
Lakhotiya

Mr. Tara Chand Kothari
Vani (MH)

Mrs. Mithlesh Kumari Goyal
Delhi

Mr. Praveen Tank
Chennai

Lt. Mr. Mahaveer Chand Mehta
Chennai

Mr. Durga Ram Ji
Khinawadi, Pali (Raj.)

Mr. Jay Ram Ji
Khinawadi, Pali (Raj.)

Mr. Champa Lal Kumawat
Nimaaj

Lt. Mr. Sha Rikhabchand Ji
Khumaji Sakriya, Chennai

Mr. Sushil Sagvani
Pali (Raj.)

Mr. Karan Kumar Sagvani
Pali (Raj.)

OUR LIFE - MEMBERS

Kindly donate a sum of Rs. 11,000/- to associate yourself as a Life Member of Tara Sansthan and oblize a poor person by facilitating one Cataract surgery every year on a date of your choice

Amrat Lal Davachand Jain, Udaipur
Anand Modi, Kanpur
Anita Yadav, Secunderabad
Ashok Gulati, Delhi
B.a. Kailash Chand Jain, Mysore
Balumal Wadhumal Dhingreja, Mumbai
Bansi Sharma S/o Gangaram Sharma, Kurukshetra
Chitra Kaushik, Delhi
Dhananjay Devangan Readymade Wala, Janjagir Chapa
Ganga Ram Sharma, Jaipur
Gaurav Jeet Agrawal, Sri Ganganagar
Gorakh Ramashankar Sahani, Mumbai
Harish Aneja, Hissar
Himanshu & Neha Jain, Delhi
Indu Bhandia, Banglore
Jagdish Patidar, Neemuch
Jatin Rai Agarwal, Sri Ganganagar
Jitendra Solanki, Kota-5
Jitin Singhla, Delhi
K.s. Kaushik, Hissar
Kamal Kumar Lalla, Delhi
Kanta Vashistha, Delhi
Kashmiri Lal, Delhi
Kedar Nath, Faridabad
Kishan Kumar Dixena, Korba
Krishan Batra, Faridabad
Kunti Devi, Delhi
Kusum Lata Maan, Delhi
Lal Chand Gothi (jain), Banglore
Lata Jain W/o Shri Bimal Chand Jain, Rewari
Lila Kant Jha, Patna
Lt. Col. Rohitashwa Yadava, Jhunjunu
Madhu, Midlands
Madhu Bala Goyal W/o Shri Santosh, Churu
Madhu Garg, Banglore
Magan Bhai Chota Bhai Patel, Khetia
Manish Garg & Mrs. Pooja Garg, Banglore
Manish Ji,
Manish Kumar Kathuria, Ludhiana
Mcleod Russel Charitable Trust, Kolkata
Mithlesh Rastogi, Delhi
Narendra Kumar Shanti Lal Jain, Ratlam
Naveen Sharma S/o Shri Radheshyam, Delhi
Nidhi D/o Shri Randhir Singh Malik, Hissar
Om Prakash Ajmera, Jodhpur
Pashupati Gas Service, Udaipur
R.m.verma, Panchkula
Radha Mohan Gupta, Agra
Radheshyam & Naroj Devi Jaiswal, Navi Mumbai
Rajesh Murarka,
Rajiv Sachdeva, New Delhi
Ram Chandra Hans, Bhuvneshwar-10
Ratni Devi Gangwal & Shri Ajay Gangwal, Delhi
Saksham, Ghaziabad
Sakshi Sethi D/o Shri Anita Kumar Sethi, Hissar
Sampat Raj Parekh, Mumbai
Samyak Jain, Delhi
Sanjay Ahuja, Mumbai
Santosh Maheshwari, Vidisha
Sarita Shiv Kumar Chechani, Bharuch
Satyawati Sharma, Delhi
Savitri Devi Mehta, Pune
Seeta Devi, Delhi
Shanta Nareshpal Batra & Smt. Sapna, Ahemdabad
Shanti Devi W/o Shri Bharat Bhushan, Delhi
Shikhar Chand Jain, Agra
Subhash, Ludhiana
Sudarshan Kumar, Faridabad
Sunil & Sangeeta, New Delhi
Suraj Bai Jain W/o Late. Shri Pukhraj, Durg
Surendra Shiv Narayan Avasthi, Mumbai
Suresh Dwivedi, Kanpur
Sushma & Shri Sourabh Garg, Delhi
Swatantra Maria, New Delhi
Thakur Das Sharma, Chandigarh
Usha Gupta, Mumbai
Vimal Kumar Jain, Durg
Vindeshwari Devi Saxena, Kota
Vinod Aggrawal, Bhatinda
Virendra Singh Rathore, Silchar
Vishal Nagpal, Faridabad
Vishnu Gopal Shrivastava, Gwaliour

Supported by
इंडियनऑयल
IndianOil
समाज के लिए
विनम्र योगदान
जन-जीवन को सहारा
यही प्रयास हमारा
इंडियनऑयल – जीवन को ऊर्जामय बनाते हुए

We are thankful to the Management of Indian Oil Delhi,
for their generous cooperation in making "Donation-Gift" of a PHECO machine to TARA NETRALAYA, Delhi for facilitating Free Cataract Surgery.
Always grateful - Tara Sansthan, Udaipur

INCOME TAX EXEMPTION

Donations to Tara Sansthan are TAX-EXEMPT under section 80G (50%) and 35 AC (100%) of IT Act. 1961

Donation to Tara Sansthan may be sent by cheque/draft drawn in favor of Tara Sansthan, payable at Udaipur, OR may be remitted direct into any of the following Bank Accounts, with caopy of pay-in-slep and Donor's address to Tara Sansthan, Udaipur for expediting Donation Acknowledgment Receipt

Tara Sansthan Bank Account

ICICI Bank A/c No. 004501021965	IFS Code : icic0000045
SBI A/c No. 31840870750	IFS Code : sbin0011406
IDBI Bank A/c No. 1166104000009645	IFS Code : IBKL0001166
Axis Bank A/c No. 912010025408491	IFS Code : utib0000097
HDFC A/c No. 12731450000426	IFS Code : hdfc0001273
Canara Bank A/c No. 0169101056462	IFS Code : cnrb0000169
Pan Card No. Tara - AABTT8858J	

TARA NETRALAYA
WZ-270, Village - Nawada,
Opp. 720, Metro Pillar,
Uttam Nagar, Delhi - 59

DELHI HOSPITAL - Tara Netralaya
Mukesh Menaria +91 9560626661

Kindly watch telecast of Tara's Programme on T.V. Channels

पारस

'पारस' चैनल पर प्रसारण
अपराह्ण 3.40 से 4.00 बजे,
रात्रि 9.20 से 9.40 बजे

आस्था भजन

'आस्था भजन' चैनल पर प्रसारण
प्रात: 8.40 से 9.00 बजे

MA T.V. (UK)

'एमएटीवी' चैनल पर प्रसारण
रात्रि 8.10 से 8.30 बजे

सहृदय दानदाताओं के अवलोकनार्थ

गौरी योजना में सहायता के लिए अभ्यर्थी विधवा महिला का मार्मिक पत्र –

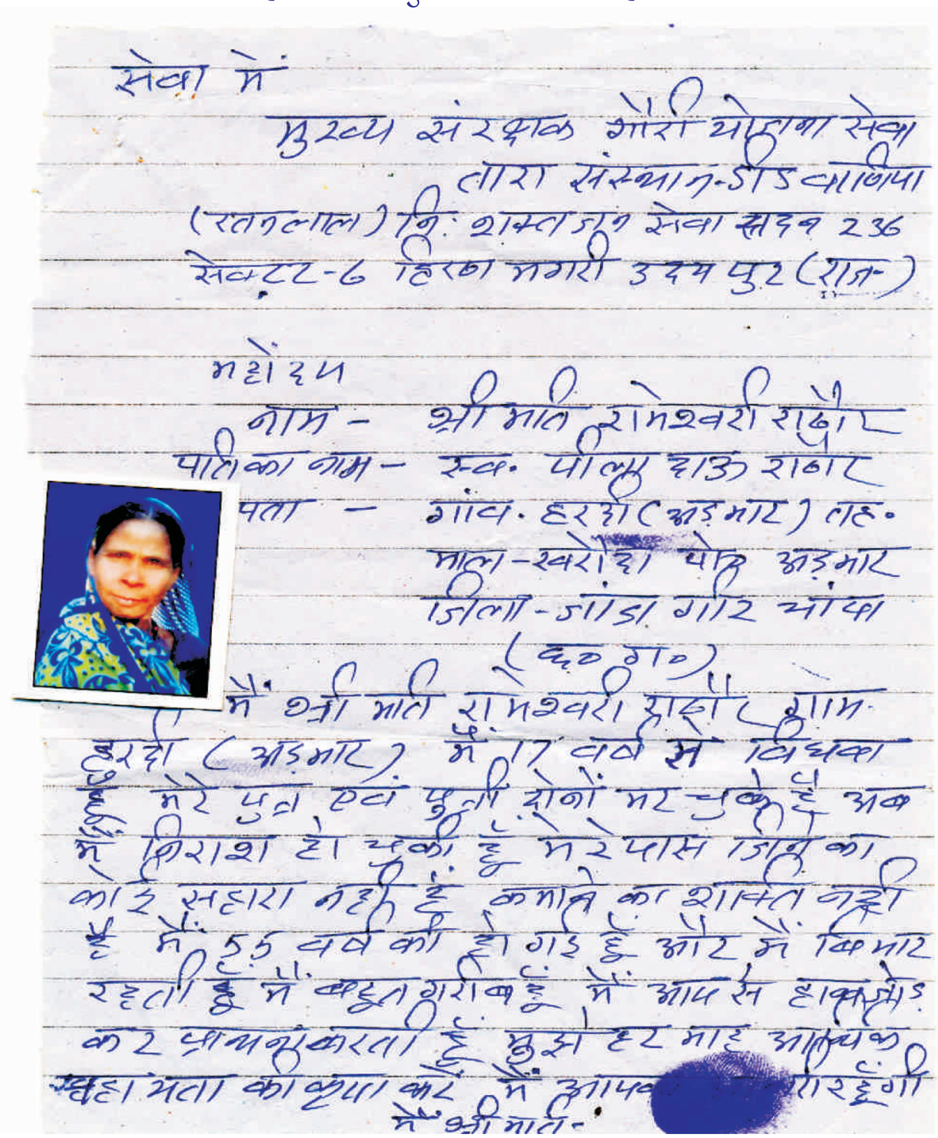

सेवा मे
मुख्य संरक्षक गौरी योजना सेवा
तारा संस्थान-डीडवाणिया
(रतनलाल) नि: शान्तजन सेवा सदन 236
सेक्टर-6 हिरण मगरी उदयपुर (राज.)

महोदय
नाम - श्रीमति रामेश्वरी राठौर
पति का नाम - स्व. पीलु दाऊ राठौर
पता - गांव. हरदी (अड़भार) तह.
माल-खरौदा पोस्ट अड़भार
जिला-जांजगीर चांपा
(छ० ग०)

मैं श्रीमति रामेश्वरी राठौर ग्राम हरदी (अड़भार) मैं 17 वर्ष से विधवा हूँ मेरे पुत्र एवं पुत्री दोनों मर चुके है अब मैं निराश हो चुकी हु मेरे पास जीने का कोई सहारा नही है कमाने का शक्ति नही है मैं 55 वर्ष की हो गई हूं और मैं बिमार रहती हु मैं बहुत गरीब हूं मैं आप से हाथजोड़ कर प्रार्थना करती हूं मुझे हर माह आर्थिक सहायता की कृपा करे मैं आपक[illegible]री रहूंगी
मैं श्रीमति-

मशीनों, उपकरणों के लिए दान–सहयोग हेतु निवेदन

तारा संस्थान, उदयपुर द्वारा उदयपुर एवं दिल्ली में दो ''तारा नेत्रालय'' नेत्र रोगियों की निःशुल्क चिकित्सा – मोतियाबिन्द ऑपरेषन के उद्देष्य से संचालित किए जा रहे हैं।

'तारा संस्थान' द्वारा संचालित तीसरे 'तारा नेत्रालय' का शुभारंभ 13 अक्टूबर, 2013 से मुम्बई में हो रहा है। इस नेत्रालय में रोगियों की नेत्र चिकित्सा – मोतियाबिन्द ऑपरेशन (CATARACT SURGERY) सर्वथा निःशुल्क होगी। नेत्रालय के सफल एवं प्रभावी संचालन के लिए विविध मशीनों, उपकरणों की खरीद – प्रक्रिया चल रही है। करुणाशील दान–दाताओं निवेदन है कि वे कृपया मशीनों की आपूर्ति हेतु दान–सहयोग करें। मशीनों का विवरण व लागत मूल्य निम्नानुसार है। आपके दान–सहयोग से खरीदी गई मशीनें आपके नाम व सहयोग विवरण का उल्लेख, आभार प्रदर्शन करते हुए नेत्रालय में यथा स्थान स्थापित की जाएँगी।

उपकरण का नाम	उपयोग	दान राशि रु.
Ophthalmic Microscope	ऑपरेशन के दौरान आँख के छोटे – छोटे हिस्से को बड़ा दिखाता है।	631000/–
Ophthalmic Refraction unit	मरीजों की आँखों की जाँच, चश्मे के नम्बर निकालने हेतु उपकरण।	83000/–
Slit-Lamp	आँखों के छोटे से छोटे हिस्सों के अच्छी तरह से देखने का काम करता है।	52500/–
Ophthalmic Patients unit	मरीजों के ऑपरेशन के लिए काम आता है।	61000/–
A Scan Plus	मरीजों के मोतियाबिन्द के ऑपरेशन के दौरान जो लेन्स डाले जाते हैं, उसकी पावर का नाप (Measurement) करने के काम आता है।	134000/–
Auto Refractometer	मरीजों के चश्मे के नम्बर व आँख में लगने वाले लेन्स के नम्बर निकालने के काम आता है।	375000/–
Trail set with frame	मरीजों के दृष्टि दोष को कम करने के लिए किया जाता है।	13000/– (2)
Lenso meter	चश्मे के नम्बर देखने के लिए किया जाता है।	14000/–
Indirect Ophthalmoscope	मरीज की आँखों के पर्दे की जाँच के लिए किया है।	19000/–
Applanation tonometer	मरीजों की आँख की (IOP) (इन्ट्रा ओक्युलर प्रेशर) जाँच करने के लिए।	33500/–
Retinoscope	मरीजों के चश्मे निकालने के लिए।	30000/–
Boyle's - apparatus	मरीजों के बहोशी के दौरान उपयोग।	55000/–
Multipara monitor	ऑपरेशन के दौरान मरीजों की धड़कन, ऑक्सीजन व ब्लड प्रेसर की जाँच के काम आता है।	87000/–
Phaco Emulsifier	मरीजों के मोतियाबिन्द का ऑपरेशन छोटे से छेद के द्वारा किया जाता है, जिससे कारण अच्छे से अच्छे लेन्स आँख के अन्दर लगाये जाते है।	1000000/–
Yag Laser	लैन्स के पीछे की झिल्ली काटने के लिए।	6,50,000/–
	दान–सहयोग हेतु कृपया मोबाइल नम्बर 09799252661 पर सम्पर्क करने का अनुग्रह करें।	

तारांशु (हिन्दी - अंग्रेजी) मासिक समाचार पत्र, अगस्त, 2013

RNI. No. - RAJBIL/2011/42978, Postal Reg. No. - RJ/UD/29-102/2012-2014, Dates of Posting - 11th to 18th each month at Udaipur H.O.

'तारांशु' - स्वत्वाधिकारी, श्रीमती कल्पना गोयल द्वारा 240-ए, हिरण मगरी, सेक्टर - 6, उदयपुर, राजस्थान से प्रकाशित तथा मुद्रक श्री सत्यप्रकाश कुमार शर्मा द्वारा सागर ऑफसेट प्रिन्टर, इण्डिया प्रा. लि. प्लॉट नं. 518, इकोटेच - III, उद्योग केन्द्र एक्टेंशन - II, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) में मुद्रित, सम्पादक - श्रीमती कल्पना गोयल

तारा संस्थान के नि:शुल्क मानवीय सेवा प्रकल्प, आपसे प्रार्थित अपेक्षित सहयोग -सौजन्य राशि

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन)

01 ऑपरेशन - 3000 रु., 03 ऑपरेशन - 9000 रु., 06 ऑपरेशन - 18000 रु., 09 ऑपरेशन - 27000 रु., 17 ऑपरेशन - 51000 रु.

मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 21 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर (राजस्थान में) - 71000 रु.

मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 21 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर (राजस्थान से बाहर) - 100000 रु.

चश्मा जाँच - चश्मा वितरण - दवाई सहयोग राशि, प्रतिशिविर - 21000 रु.

तृप्ति योजना सेवा (प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री सहायता)	गौरी योजना सेवा (प्रति विधवा महिला सहायता)	आनन्द वृद्धाश्रम सेवा (प्रतिबुजुर्ग)
01 माह - 1500 रु.	01 माह - 1000 रु.	01 माह - 5000 रु.
06 माह - 9000 रु.	06 माह - 6000 रु.	06 माह - 30000 रु.
01 वर्ष - 18000 रु.	01 वर्ष - 12000 रु.	01 वर्ष - 60000 रु.

सहयोग राशि - आजीवन संरक्षक 21000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 2 मोतियाबिन्द ऑपरेशन, आजीवन सदस्य 11000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 1 मोतियाबिन्द ऑपरेशन (संचितनिधि में)

आयकर में छूट : तारा संस्थान को दिया गया दान आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G (50%) व 35AC (100%) के अन्तर्गत आयकर में छूट योग्य मान्य है।

निवेदन : कृपया अपना दान - सहयोग नकद या 'तारा संस्थान, उदयपुर' के पक्ष में देय चैक/ड्राफ्ट द्वारा संस्थान के पते पर प्रेषित करने का कष्ट करें, **अथवा :** अपना दान सहयोग तारा संस्थान के निम्नांकित किसी बैंक खाते में जमा करवा कर 'पे-इन-स्लिप' अपने पते सहित संस्थान को प्रेषित करें ताकि दान - सहयोग प्राप्ति रसीद आपको तत्काल भेजी जा सके।

ICICI Bank A/c No. 004501021965	IFS Code : icic0000045	Axis Bank A/c No. 912010025408491	IFS Code : utib0000097
SBI A/c No. 31840870750	IFS Code : sbin0011406	HDFC A/c No. 12731450000426	IFS Code : hdfc0001273
IDBI Bank A/c No. 1166104000009645	IFS Code : IBKL0001166	Canara Bank A/c No. 0169101056462	IFS Code : cnrb0000169

Pan Card No. Tara - AABTT8858J

'तारा' के सेवा प्रकल्पों का कृपया टी.वी. चैनल्स पर प्रसारण देखें :-

'पारस' चैनल पर प्रसारण
अपराह्ण 3.40 से 4.00 बजे,
रात्रि 9.20 से 9.40 बजे

'आस्था भजन'
चैनल पर प्रसारण
प्रात: 8.40 से 9.00 बजे

MA T.V. (UK)
'एमएटीवी' चैनल पर प्रसारण
रात्रि 8.10 से 8.30 बजे

बुक पोस्ट

ज्योतिर्मय जीवन

तारा संस्थान

डीडवाणिया (रतनलाल) नि:शक्तजन सेवा सदन
236, सेक्टर - 6, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.) 313002
मो. +91 9549399993, +91 9649399993
Email : info@tarasansthan.org
donation@tarasansthan.org
Website : www.tarasansthan.org